वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 190 | शनिवार 5 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर शहर को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराने के लिये

14 नवम्बर से चलेगा विशेष अभियान : जिला कलक्टर

जयपुर. कासं। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने कहा कि जयपुर शहर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने के लिये आगामी 14 नवम्बर से विशेष अभियान प्रारम्भ किया जायेगा। अभियान के दौरान भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों को समझाइश करके हटाया जायेगा। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा अभियान के दौरान आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। जिला कलक्टर शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित भिक्षावृति उन्मूलन से संबंधित बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क, चौराहे, धार्मिक स्थलों, रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड एवं अन्य स्थलों पर भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों, बच्चों एवं परिवारों की सूचना ट्रैफिक एवं अन्य पुलिस कार्मिकों द्वारा जिला प्रशासन एवं चयनित एनजीओ को प्रदान की जाए। भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों की सूचना मानव सेवा संस्थान द्वारा संचालित हेल्पलाइन नम्बर - 9783301302 पर दी जा सकती है। जिला कलक्टर ने कहा कि पुनर्वास गृहों की साफ-सफाई करवाकर आधारभूत सुविधाओं की पुख्ता व्यवस्था करते हुये इन्दिरा रसोई योजना से लिंक करवाया जाना सुनिश्चित करें जिससे भिखारियों एवं निर्धन व्यक्तियों को भोजन के लिये इधर-उधर भटकना ना पड़े।

देवउठनी एकादशी पर शहर में गूंजेंगी शहनाइयां

एक हजार से अधिक शादियों का अनुमान, बाजारों में रही रौनक

चौमूं/जयपुर. कासं

उपखंड क्षेत्र में देवउठनी एकादशी के साथ ही शुक्रवार को शहनाई की गूंज सुनाई देगी। दीपावली के बाद पहला बड़ा सावा होने से शहर सहित क्षेत्र के गावों में एक हजार से अधिक शादियां होने का अनुमान है। पहले सावे के चलते बाजारों में खरीदारी को लेकर रौनक ही नजर आई। नवंबर एवं दिसंबर में शादियों के करीब 9 सावे हैं। देवउठनी एकादशी पर शहर के मैरिज गार्डन, होटल एवं बैंक्वेट हॉल पूरी तरह से बुक हैं। वहीं, लंबे समय से सावे की आस लगाए घोड़ी और बैंड-बाजे वालों के चेहरे पर रौनक देखने को मिल रही है। शादियों की बंपर बुकिंग होने से बैंड बाजे वाले भी व्यस्त नजर आए। कोरोना के प्रतिबंध हटने के बाद इस बार शादियों के सीजन में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिल रहा है। शुक्रवार 4 नवंबर से शुरू हो रहा शादियों का दौर वैसे तो अगले साल जुलाई तक चलेगा, लेकिन दिसंबर और मार्च में मुहूर्त नहीं होने से शहनाई के स्वर कुछ दिनों तक बंद रहेंगे। इधर, कोरोना के 3 साल बाद बिना किसी प्रतिबंध के शादियां होने से लोग जमकर आयोजनों का आनंद लेने में जुटे हुए हैं। शहर के रेनवाल रोड, कचोलिया, मोरीजा रोड, रींगस रोड, जयपुर रोड, होली दरवाजा स्थित वैवाहिक गार्डन में

वैवाहिक समारोह को की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। वहीं, कैटरिंग का सुस्त पड़ा कारोबार भी गति पकड़ता नजर आया। जहां आयोजनों में रसोई की जिम्मेदारी संभाल रहे हलवाई पूरे मनोयोग से व्यवस्थाओं को संभालने में जुटे हैं।

दुल्हों के वाहन सजाने में व्यस्त रहे फूल विक्रेता

सीजन का पहला बंपर सावा होने से वैवाहिक स्थलों को सजाने और दूल्हे की गाड़ी को सजाने का काम करने वाले फूल माला विक्रेताओं और अन्य लोग व्यस्त ही नजर आए। शहर के बस स्टैंड पर फूल माला विक्रेताओं के यहां दुल्हों के लिए वाहन सजाने के लिए लोग दिनभर जुटे रहे। यही वजह रही कि बाजार में दिनभर भीड़ का आलम रहा। वैवाहिक सीजन होने से बाजार में फूल मालाओं की मांग भी अच्छी रही।

गहलोत ने दिया पायलट को जवाब : कहा...

महत्वाकांक्षा रखें, लेकिन अप्रोच सही हो

PM ने मुख्यमंत्रियों में सीनियर बताया, इसमें तारीफ क्या की?

जयपुर. कासं

सीएम अशोक गहलोत ने सचिन पायलट का नाम लिए बिना उन पर तंज कसते हुए दो दिन पहले उठाए गए मुद्दे का जवाब दिया है। गहलोत ने कहा- हमारी पार्टी के भीतर तो चुनौतियां नहीं हैं। राजनीति में थोड़ा-बहुत तो हर आदमी का एंबिशन होता है, हम क्यों बुरा मानें? हर आदमी अपना एंबिशन रखता है और

रखना भी चाहिए, महत्वाकांक्षा होती है, महत्वाकांक्षा रहनी भी चाहिए। बोले- अप्रोच का फर्क होता है। इसलिए मैं नहीं चाहता कि मैं यहां पर कोई बात बोलूं, खाली यही है कि हम सब मिलकर इस बार अगला चुनाव जीते और ये पब्लिक इंटरेस्ट राजस्थान के लिए भी जरूरी है और देश के लिए भी जरूरी है। गहलोत ने कहा- एक बात बताइए, उन्होंने (पीएम नरेंद्र मोदी ने) तारीफ क्या की। उन्होंने तो तथ्य रखे, उन्होंने कोई मेरी परफॉर्मेंस की बात तो नहीं की।

आप पार्टी की चिंता नहीं

राजस्थान में आम आदमी पार्टी की ओर से चुनाव लड़ने की घोषणा के सवाल पर सीएम ने कहा कि उन्हें आप की चिंता नहीं, ये लोग महा-झूठे हैं। पार्टी में अंदरूनी कलह को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि झगड़ा हर पार्टी में होता है, पर राजस्थान में फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा- ग्रामीण ओलिंपिक से खिलाड़ियों में उत्साह आया है। राजस्थान सरकार के फैसले पूरे देश में ऐतिहासिक रहे हैं। गुजरात मॉडल अब सिर्फ हवा हवाई साबित हो रहा है। वहां सड़कें तक खराब हैं। गुजरात चुनावों को लेकर कहा कि वहां एंटी इनकंबेंसी भारी है। इसलिए प्रधानमंत्री को हर 7 दिन में वहां जाना पड़ रहा है। वहां भी इस बार कांग्रेस की सरकार बनेगी।

गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का आज होगा भट्टारक जी की नसियां में गुरु चरण वन्दना के लिए भव्य मंगल प्रवेश

रिजर्व बैंक से विशाल जुलूस के साथ भव्य प्रवेश, भट्टारक जी की नसियां में आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ से होगा भव्य मंगल मिलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पुण्य का फल भोगने के लिए देवता स्वर्ग जातें हैं।पाप का फल भोगने के लिए नरक में जाते हैं।मनुष्य योनि में पुण्य भी है ,पाप भी है, नरक भी है और स्वर्ग भी है। स्वर्ग का देवता धर्म ना करें तो एक इन्द्रिय के रूप में वृक्ष बन जाते हैं। यह बात मनुष्य के लिए भी लागू होती है, वो धर्म नहीं करें तो उसे भी आने वाली पर्याय अच्छी नही मिलती है। धर्म करत संसार सुख, धर्म करत निर्वाण। धर्म पंथ साधे बिना नर तिर्यंच समान। मनुष्य का कर्तव्य सन्तान को योग्य बनाने का है। पूत सपूत तो का धन संचय। पूत कपूत तो का धन संचय। अतः बिना भक्ति के जीवन व्यर्थ है । भक्ति का धागा जरुरी है ताकि गुरु से सम्पर्क बना रहे। ये उदगार गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने शुक्रवार को

माडल टाऊन कालोनी में समाजश्रेष्ठी कमल वैद के आवास पर आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किए। इस मौके पर उत्तम कुमार पाण्डया, विनोद जैन कोटखावदा,मनोज सोगानी, सुरेश सोनी,विमल बज, चेतन जैन निमोडिया, दीपिका जैन कोटखावदा,मैना गंगवाल,रेखा पाटनी, मंजू वैद,दीपक बिलाला, दीपक बोहरा, अजय बड़जात्या सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी उपस्थित थे। धर्म सभा के प्रारंभ में मंगलाचरण रेखा पाटनी ने किया। संचालन चेतन जैन निमोडिया ने किया। माताजी ससंघ का शनिवार को भट्टाराक जी की नसियां में आचार्य श्री सुनील सागर जी एवं आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज की गुरु चरण वंदना हेतु भव्य मंगल प्रवेश होगा। इससे पूर्व शुक्रवार को माताजी जगतपुरा के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से विशाल जुलूस के साथ माडल टाऊन पहुंची। चातुर्मास कमेटी के मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया एवं उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि माताजी ससंघ का माडल टाउन कालोनी से विहार होकर सायंकाल मालवीय नगर के सैक्टर 3 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। जहां अध्यक्ष सी एल जैन ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए।

सुनील बख्शी परिवार को मिला चातुर्मास का मंगल कलश

पदमपुरा में आयोजित चातुर्मास निष्ठापन तथा पिच्छिका परिवर्तन समारोह में भारत गौरव गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के चातुर्मास के मंगल कलश प्राप्त करने का सौभाग्य महावीर शिक्षा समिति के मंत्री सुनील बख्शी परिवार को प्राप्त हुआ।

हमारे प्रिय आदरणीय श्रीमान्

विनोद जी जैन 'कोटखावदा'

93142-78866

को उनके जन्म दिन के मौके पर

हार्दिक बधाईयाँ व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

सकल दिगम्बर जैन समाज

नाग का हार नाटक का हुआ मंचन

सिद्धचक्र महामण्डल विधान में बह रही धर्म की बयार। चतुर्थ दिवस के कार्यक्रम में समर्पित किये गए 64 अर्घ्य

मड़ावरा(ललितपुर). शाबाश इंडिया

कस्वा मड़ावरा के महावीर विद्याविहार में आचार्य विद्यासागर जी महामुनिराज के मंगल आशीर्वाद व निर्यापक श्रमण मुनि अभय सागर, प्रभात सागर, निरीह सागर जी के पावन सानिध्य में व बाल ब्रम्हचारी मनोज भैया के निर्देशन में बजाज परिवार के सौजन्य से आयोजित किये जा रहे सिद्धचक्र महामण्डल विधान में महती धर्मप्रभावना हो रही है । नित्य प्रति हो रहे धार्मिक आयोजनों से धर्म की बयार बह रही है रात्रि कालीन आयोजनों की श्रृंखला में श्रद्धालुओं द्वारा नाग का हार नाटिका का मंचन किया गया जिसकी उपस्तिथ दर्शकों द्वारा सराहना की गयी। उल्लेखनीय है कि धर्मनगरी मड़ावरा में दिनांक1नबम्बर से 8 नवम्बर तक विधान पुण्यार्जक विमलेश कुमार,संतोष कुमार बजाज परिवार के सौजन्य से सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन महती धर्म प्रभावना के साथ की जा रही है । आयोजन में प्रतिदिन बड़े ही भक्तिभाव पूर्वक नित्य नियम पूजन भक्ति आदि करते हुए सिद्धचक्र विधान के अर्घ्य जिनेन्द्र प्रभु को समर्पित किये जा रहे हैं । चतुर्थ दिवस के विधान में श्रद्धालुओं द्वारा 64 अर्घ्य समर्पित किये गए ।भगवान जिनेन्द्र देव की शांतिधारा करने का सौभाग्य पन्ना लाल, नीरज बजाज,कपूर चंद्र, जितेंद्र कुमार, आशीष कुमार गोना,अशोक कुमार, सनत कुमार,संजय कुमार ललितपुर,प्रमोद जैन, राजेश जैन गुरसराय, पदम चंद्र, रत्नेश कुमार प्रवीण कुमार मड़ावरा, विमलेश जैन, संतोष जैन बंटी पुण्यार्जक परिवार को प्राप्त हुआ। सांध्यकालीन महाआरती करने का सौभाग्य पन्नालाल नीरज कुमार बजाज को प्राप्त हुआ। सांध्यकालीन कार्यक्रमों की श्रृंखला में आरती भक्ति के उपरांत स्थानीय कलाकारों द्वारा ₹नाग का हार नाटिका₹का मंचन किया गया नाटिका में किये गए अभिनय व उसके महात्म्य को बताते हुए संचालक द्वारा बताया कि एक सेठ की सोमा नाम की पुत्री थी जिससे कपट करके एक शराबी जुआरी पूर्व से ही विवाहित व्यक्ति द्वारा विवाह कर लिया गया चूंकि सेठ की इकलौती पुत्री थी और उसकी बेसुमार जायदाद को हड़पने के उद्देश्य से उक्त कपटी व्यक्ति और उसकी दूसरी पत्नी की माँ ने धार्मिक सुशील नियम संयम पर चलने वाली सोमा को मारने की साजिश रची और एक घड़े में एक विषैला नाग रख दिया और उसे दे दिया घड़े में सोमा द्वारा हाथ डालने पर वह नाग हार में परिवर्तित हो गया जो कि सोमा के धर्म की ताकत थी कि जिस नाग को सोमा की मृत्यु के लिए प्रयोग किया गया वह हार में बदल गया नाटिका में किये गए अभिनय को सभी ने सराहा। आयोजक मण्डल ने बताया कि सिद्धचक्र महामण्डल विधान के कार्यक्रमों में नित्य प्रतिदिन ही नियम पूजन भक्ति के साथ ही सांध्यकालीन महाआरती भोपाल से आये संगीतकार भूपेंद्र एंड पार्टी की सुमधुर स्वर लहरियों के साथ की जा रही है तदउपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जा रहे हैं कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को सती चन्दनवाला की नाटिका का मंचन किया जाएगा आयोजन में सकल दिगम्बर जैन समाज व चातुर्मास व्यवस्था समिति का पूर्ण मनोभाव से सहयोग प्राप्त हो रहा है।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा-गजरथ महोत्सव की जोर-शोर से तैयारियां

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा-गजरथ महोत्सव के लिए डीएम, एसपी से समिति ने की मुलाकात, अतिशय क्षेत्र बानपुर के प्रतिनिधि मंडल ने किया श्रीफल समर्पित

ललितपुर. शाबाश इंडिया। जनपद के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बानपुर में आगामी 28 नवम्बर 2022 से 4 दिसम्बर 2022 तक श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ चौबीसी तथा मानस्तम्भ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव का आयोजन आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज , मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज (ललितपुर नगर गौरव), मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य में होने जा रहा है। महोत्सव की तैयारियां तेज हो गईं हैं। आयोजन समिति के प्रतिनिधि मंडल अनिल जैन, अंचल अध्यक्ष दिगम्बर जैन समाज ललितपुर, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बानपुर के अध्यक्ष नायक महेंद्र कुमार जैन,इन्द्रकुमार, जय मड़वैया, प्रदीप कुमार, वीरेन्द्र चूना,निर्मल कुमार, महावीर, राहुल पाइया, रिंकू पाइया, सुनील नगर सेठ, कपिल सराफ, सुरेंद्र, राकेश, आनंद आदि ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ललितपुर से मुलाकात कर आयोजन की जानकारी से अवगत कराया एवं शासन-प्रशासन से समुचित व्यवस्था के लिए अनुरोध करते समारोह के लिए आमंत्रित भी किया। समिति के पदाधिकारियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार जैन चूना से मुलाकात कर उन्हें भी आमंत्रण दिया एवं आयोजन की जानकारी दी।

श्री विद्यासागर जी महाराज का स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस

शुक्रवार, 10 नवम्बर को होगी महाआरती, बनेगा विश्व रिकार्ड

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति द्वारा परम श्रद्धेय अंतर्यात्री महापुरुष,अपराजेय साधक,युगपुरुष, संस्कृति शासनाचार्य संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर जी महामहाराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के पावन अवसर पर गुरुवार, दिनांक 10 नवम्बर 2022 को रात्रि 8 बजे महाआरती का कार्यक्रम रखा गया है। राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष व कार्यक्रम समन्वयक शीला डोडिया ने बताया कि इस दिन आचार्य श्री के चित्र के समक्ष समस्त जैन समाज एक साथ रात्रि 8 बजे हाथो मे दीपक लेकर आरती करके विश्व रिकार्ड स्थापित करेगा । महिला महासमिति की राजस्थान अंचल अध्यक्ष शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि इस दिन सभी अपने अपने मंदिर या किसी विशेष स्थान पर हाथो मे दीपक लेकर रात्रि 8 बजे आरती करते हुए आचार्य श्री के चित्र के साथ अपनी एक फोटो या विडीओ भेज दे।

वेद ज्ञान

जीवन में प्रसन्नता

संसार में संपूर्ण लौकिक और अलौकिक कार्य अंततः प्रसन्नता प्राप्ति के लिए ही किए जाते हैं। चाहे सांसारिक व्यक्ति का पुरुषार्थ हो अथवा आध्यात्मिक जगत के शब्दब्रह्म के उपासक भक्त की भक्ति, अंततः उसके मूल में प्रसन्नता का ही भाव समाया रहता है। संसार से आसक्ति के मूल में भी यही भाव छिपा रहता है। तभी संसारी व्यक्ति सीढ़ी-दर-सीढ़ी प्रसन्नता की प्राप्ति के लिए अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होता रहता है। यदि उसे अपने जीवन के किसी क्षेत्र में अथवा किसी पड़ाव, मार्ग अथवा गंतव्य पर सफलता न मिले अथवा न मिलने की संभावना हो, तो वह तत्काल उस मार्ग में बढ़ना छोड़ देता है। अध्यात्म व भक्ति के जटिलतम मार्ग में भक्त अथवा साधक सोत्साह इसलिए अग्रसर होता रहता है कि अंततः उसमें प्रसन्नता प्राप्ति की प्रत्याशा रहती है। प्रसन्नता की आभासित तृष्णा जीव में कर्म को गति व प्रवाहमयता प्रदान करती है। प्रसन्नता दूसरे अर्थों में आनंद का पर्याय है। जीवन के जिस क्षेत्र में आनंद-प्राप्ति की कतिपय भी कामना अथवा संभावना नहीं रहती है, व्यक्ति भूलवश भी उस मार्ग को चयन करने की बात नहीं सोचता। प्रसन्नता, पदार्थगत लब्धियों से भी ऊपर का जज्बा है, जो व्यक्ति में उत्साह, प्रेम व माधुर्य जगाकर उसकी संपूर्ण शक्तियों के पारिश्रमिक के रूप में प्राप्त होती है। सद्चिंतन व सकारात्मक दृष्टि से किया गया हर कार्य अनिवार्यतः प्रसन्नता के ही दुर्ग में पराश्रय पाता है। जीवन के कुविचारों और बीमार मानसिकता का स्थाई मर्ज है प्रसन्नता। इसलिए प्रमुख विचारक और लेखक स्वेट मॉडर्न ने कहा है कि प्रसन्नता परमात्मा की दी हुई औषधि या दवा है। प्रसन्नता का अभाव जीवन को निराशा, पश्चाताप और पीड़ा में फंसाकर अभिशप्त जीवन जीने के लिए विवश करता है। प्रसन्नता की क्यारी में ही सद्गुणों की जड़ें प्राण व ऊर्जा पाती हैं। ईश्वर ने हर जीव को प्रसन्नता रूपी दुर्लभ गुण उपहार में दिया है। मनुष्य अपने कुचिंतन, कुविचार और कुसंगति के दुष्प्रभाव में आकार इसे दुख व पश्चाताप में परिवर्तित कर देता है। ईश्वर ने संसार में किसी भी जीव को दुखी व संतप्त नहीं पैदा किया है। इस सबके लिए उसके बुरे व अशुभ कार्य उत्तरदायी हैं।

संपादकीय

शहरों-महानगरों की हवा में प्रदूषण का कहर

अमूमन हर साल जाड़े के मौसम की शुरूआत के साथ ही शहरों-महानगरों की हवा में प्रदूषण घुलने लगता है और इसे लेकर चिंता जताई जाने लगती है। इसके समांतर इसकी वजहें भी सुर्खियों में रहती हैं और सरकारें इन पर काबू पाने के लिए काम करने का दावा करती हैं। लेकिन विचित्र यह है कि हर अगले साल फिर वैसे ही हालात का सामना करना पड़ता है और सरकारों की ओर से पुराने आश्वासन और दावे दोहराए जाते हैं। यों हर दिवाली के बाद दिल्ली की हवा के बेहद प्रदूषित हो जाने की खबरें कोई नई नहीं हैं, इसलिए इस साल भी अगर यहां प्रदूषण से दम घुटने की खबर आने लगी है तो यह हैरानी की बात नहीं है। यह तब है जब दिवाली के दौरान पटाखे कम छोड़े जाने के बीच प्रदूषण का स्तर घटने की भी खबरें आईं। लेकिन अब एक बार फिर दिल्ली में स्थिति गंभीर होती दिखने लगी है। आमतौर पर जब हवा चलती है तब प्रदूषण के स्तर में कमी आती है, मगर इस बार पंजाब और आसपास के इलाकों में पराली जलाने के मामलों में बढ़ोतरी के साथ धीमी हवा की वजह से भी मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता कहीं 'बेहद खराब' तो कहीं 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई। जाहिर है, यह उस अनदेखी का नतीजा है, जो कारण के रूप में मौजूद होती है, मगर उसे दूर करने या उस पर काबू पाने के लिए दिखावे की सक्रियताओं के अलावा शायद ही कुछ होता है। यही वजह है कि वायु की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में पहुंचने की वजह से मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में धुंध और धुएं की परत छाई रही और दृश्यता का स्तर भी कम रहा। वायु गुणवत्ता पर नजर रखने वाली संस्था 'सफर' के मुताबिक बुधवार सुबह भी राजधानी और इसके आसपास सटे मुख्य शहरों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बेहद खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। गौरतलब है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक अगर तीन सौ एक से चार सौ के बीच हो तो उसे 'बहुत खराब' और चार सौ एक पांच सौ के बीच हो तो उसे 'गंभीर' माना जाता है। आंकड़ा इससे ऊपर पहुंचने पर सांस तक लेने में मुश्किल होने लगती है। राजधानी की हवा में जिस रफ्तार से गिरावट बढ़ रही है और आम लोगों को दिक्कत होने लगी है, उससे सरकार के स्तर से होने वाले प्रयासों की हकीकत का पता चलता है। करीब एक महीने पहले इस समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने पंद्रह सूत्री शीतकालीन कार्ययोजना की घोषणा की थी, जिसमें कचरा जलाने, धूल और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए दल गठित करने के अलावा दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर धुएं और कोहरे को दूर करने वाले यंत्र लगाने की बात कही गई थी। इसके साथ ही शुरूआती तौर पर निर्माण कार्य रोकने जैसे कुछ कार्यों पर पाबंदी लगाने की घोषणा भी हुई। कहने को प्रदूषण ज्यादा बढ़ने पर दिल्ली में सड़क पर चलने वाले वाहनों को लेकर सम-विषम का नियम लागू किया जाता रहा है, ताकि वाहनों से निकलने वाले धुएं को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सके। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हादसे के बाद...

किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि उसकी वजहों की पड़ताल करके ऐसी चाक-चौबंद व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में वैसी त्रासदी की नौबत नहीं आए। अमूमन हर बड़ी दुर्घटना के बाद उसकी जांच और कार्रवाई की मांग की जाती है, सरकारों की ओर से यह सुनिश्चित करने का दावा किया जाता है। लेकिन पिछले तमाम साल और हादसे इस बात के उदाहरण रहे हैं कि ज्यादातर मामलों में सरकार की ओर से तात्कालिक प्रतिक्रिया और सक्रियता के अलावा जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। नतीजतन, आए दिन एक ही प्रकृति के हादसे सामने आते रहते हैं। गुजरात के मोरबी में हुई पुल दुर्घटना के बाद प्रधानमंत्री ने इसी बात की ओर ध्यान दिलाया है कि इस त्रासदी से संबंधित सभी पहलुओं की पहचान करने के लिए एक 'विस्तृत और व्यापक' जांच हो और उससे मिले प्रमुख सबक को जल्द से जल्द अमल में लाया जाए। गौरतलब है कि रविवार को मोरबी में एक झूला पुल के टूट जाने से नदी में गिर कर एक सौ पैंतीस लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के दुख को अब सिर्फ कम करने की ही कोशिश की जा सकती है। इस लिहाज से देखें तो प्रधानमंत्री ने खुद घटनास्थल पर जाकर और घायलों से मुलाकात कर पीड़ितों के दुख पर मरहम लगाने की कोशिश की। मगर इसका प्राथमिक हल यही होगा कि हादसे की जांच की जाए, दोषियों की पहचान हो और उन्हें सजा मिले। इसके अलावा, विस्तृत और व्यापक जांच के जो निष्कर्ष सामने आएं, उनके मुताबिक भविष्य में होने वाले सभी क्षेत्र के ऐसे निर्माण को लेकर एक ठोस नीति बने और उस पर सख्ती से अमल हो। विडंबना यह है कि ज्यादातर बड़े हादसों के बाद इस तरह की जांच और कार्रवाई के आश्वासन तो जारी किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उस पर कितना अमल होता है, यह किसी को पता नहीं चल पाता। यह बेवजह नहीं है कि एक के बाद दूसरे हादसे होते रहते हैं, लोगों की जान जाती रहती है। दरअसल, पुलों या किसी भी सार्वजनिक उपयोग के निर्माण की जो प्रक्रिया होती है, उसमें किस तरह की जटिलताएं घुलमिल गई हैं, यह सभी जानते हैं। भ्रष्टाचार एक अघोषित व्यवस्था की तरह काम करता है, जिसमें किसी ढांचे या परियोजना के लिए सरकार की ओर से जारी रकम में से कितना और किस तरह खर्च किया जाता है, इसका अंदाजा किसी पुल या निर्माण के गिर जाने के बाद होता है। कुछ समय पहले मोरबी पुल की मरम्मत हुई थी, मगर उस काम की जांच और उसके पूरी तरह दुरुस्त होने की पुष्टि के लिए किसी नियमित तंत्र को तैनात नहीं किया गया। जबकि किसी नए पुल या निर्माण का नियमित रखरखाव भी इस स्तर का होना चाहिए, जिससे उसका उपयोग आम लोगों के लिए पूरी तरह सुरक्षित हो। लेकिन औपचारिक व्यवस्था के मुकाबले व्यवहार में ऐसा कोई तंत्र हर नियम पर सख्ती से अमल को सुनिश्चित करने के लिए नियमित तौर पर काम नहीं करता, ताकि कोई परियोजना भ्रष्टाचार से पूरी तरह मुक्त हो। अगर केवल मोरबी पुल का उदाहरण रखा जाए तो हालत यह है कि मरम्मती या दुरुस्त होने से लेकर उस पर जाने वालों की तादाद सीमित करने और इसके साथ-साथ वहां बचाव का कोई इंतजाम नहीं होने जैसी स्थितियां बताती हैं कि किस-किस स्तर पर लापरवाही बरती गई। और भी अनेक पहलू हैं, जो व्यापक जांच में सामने आ सकते हैं।

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी मे विकास की सम्भावना बढ़ती जा रही है : हुकम काका

थूवोनजी के विकास हेतु एक चातुर्मास जरुरी है- विजयधुर्रा

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

थूवोनजी में विकास की अपार सम्भावनये है यह तीर्थ भारतीय वर्षीय जैन समाज के लिए आकर्षित कर रहा एक एक बार यहां मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज का पदार्पण हो जाते तो फिर आप देखना कि जो हम सब लोगों की कल्पना में भी नहीं है वे काम यहां होंगे बिना गुरुजी के इतना कार्य आश्चर्य कारी लगते है आने वाले समय में पूज्य श्री का इस अंचल में प्रवास होने वाला है उसके अनुरूप ही आपकी तैयारी लग रही है तीर्थ कमेटी आपके साथ है उक्त आश्य के उद्गार भारत वर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के निवृत्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुकम काका ने सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए ।

एक चातुर्मास की आवश्यकता है थूवोनजी में

इस अवसर पर मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि मुनि पुगंव की

प्रतीक्षा हम सब कर रहे है । पूर्व से ही कमेटी प्रयास करती रही है और अव जव गुरु देव मात्र पचपन किलोमीटर की दूरी पर ललितपुर में है कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू, महामंत्री विपिन सिंघाई के साथ पुरी कमेटी जाने का कार्यक्रम बना रहे हैं ।इसके पहले भारत वर्षीय तीर्थ कमेटी व चांदखेड़ी कमेटी का आगमन हुआ जहां दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर शालू भारत कमेटी के मंत्री विनोद मोदी मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा,अरुण जैन, मनीष पुट्टी, प्रदीप, भारत, मनोज विजयपुरा, चन्द्रेश चन्द्रू तथा अन्य सभी ने बड़े बाबा की माला तिलक चित्र भेंट कर सम्मानित किया ।

जगत कल्याण के लिए की शान्ति धारा

इसके पहले संरक्षक शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों के बीच थूवोनजी के खड़े बाबा आदिनाथ भगवान का सौधर्म इन्द्र बनकर हुकम काका कोटा, इंसान इन्द्र चांद खेड़ी के कोषाध्यक्ष गोपाल एडवोकेट, सनत इन्द्र संजीव श्रागर, महेंद्र इन्द्र शालू भारत, बनकर महामस्तिकाभिषेक किया गया । वहीं जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा निहाल चंद जैन, कैलाश, मनीष मोहिवाल कोटा, अशोक खादी, अनुराग जैन सहित अन्य भक्तों ने किए । इसके साथ ही सैकड़ों भक्तो ने इस दौरान अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त किया। इसके पहले तीर्थ क्षेत्र कमेटी के दल ने थूवोनजी तीर्थ का भ्रमण कर तीर्थ विकास की नई सम्भावनो पर कमेटी से चर्चा की बाद में दल ने ललित पुर के लिए प्रस्थान किया।

भामाशाह अशोक पाटनी आरके मार्बल ग्रुप ने अतिशय क्षेत्र सरोद के लिए दिया विशेष सहयोग

भवानीमंडी. शाबाश इंडिया। हाड़ोती का पावन तीर्थ सरोद जहा विराजे है अतिशयकारी पार्श्वनाथ भगवान जिनका अतिशय भी बहुत दिव्य है। हर कोई बस बाबा को निहारता हुआ नजर आता है। यह स्थान भवानीमंडी से महज 10 ¹ की दूरी पर है। यहां जिनालय का निर्माण कार्य चल रहा है। इस जिनालय के निर्माण में भामाशाह अशोक पाटनी आरके मार्बल ग्रुप द्वारा विशेष सहयोग दिया गया। जिसका समिति ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने सीमेंट वंडर सीमेंट को विशेष रियायत पर प्रदान किया। समिति के पदम गंगवाल, प्रेमचंद गंगवाल, जम्बु कुमार

गंगवाल परिवार मिश्रौली ने किशनगढ मे आर के मार्बल अशोक पाटनी से मुलाकात की और उन्होंने सरोद मंदिर हेतु सीमेंट रियायत पर दिया। अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

संस्कारों का शंखनाद 9 नवम्बर को

आचार्य सुनील सागरजी मुनिराज के सानिध्य में होगा भव्य कार्यक्रम

जयपुर. कासं। राष्ट्रसन्त आचार्य श्री108 सुनीलसागरजी मुनिराज के सानिध्य में दिनांक 9 नवम्बर को संस्कारों का शंखनाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फोरएवर के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम मे हर उम्र वर्ग के मध्य संस्कारों का समावेश , समाज के ताने-बाने को मजबूत आधार देने, आधुनिकता, भौतिकतावाद, पाश्चात्यीकरण , उपभोक्तावाद की चकाचौंध के मध्य हमारे भारतीय सांस्कृतिक और सामाजिक संस्कारों के अनुरूप बनाने हमारी आदतों, हमारे विचारो, हमारे चरित्र को जैन दर्शन के सिद्धान्तों में ढालने में हम कितना निकट जा सकते है यह इस कार्यक्रम का उद्देश्य है । संगिनी फोरएवर की अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायका व मंत्री सुनीता गंगवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नवीन जैन होंगें। इनके अलावा अन्य वक्ताओ में पूर्व प्राचार्य महारानी कॉलेज, डा. कुसुम जैन, एडवोकेट सुरूचि कासलीवाल व डा.शिवांगी जैन है। विभिन्न प्रस्तुतियों के पश्चात राष्ट्रसन्त आचार्य श्री108 सुनीलसागरजी मुनिराज द्वारा समाज को दिशा प्रदान करने वाले मंगल प्रवचन होंगे। कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन, गुलाबी, नवकार, डॉयमण्ड, आदिनाथ, जैन भारती, मैत्री, पार्श्वनाथ , वात्सल्य, तीर्थंकर, ब्लूस्टॉर, पिंक पर्ल, वीर, वर्धमान, स्वास्तिक, विराट, सम्यक सहित विभिन्न महिला मण्डलो के 750 से भी अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे।

श्री विद्यासागर जी महाराज का स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस 10 नवम्बर को

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति एवम महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा परम श्रद्धेय अंतर्यात्री महापुरुष,अपराजेय साधक,युगपुरुष, संस्कृति शासनाचार्य संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर जी महामहाराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के पावन उपलक्ष में गुरुवार, दिनांक 10 नवम्बर 2022 को रात्रि 8 बजे महावीर सर्कल स्थित आचार्य श्री की दीक्षा स्थली कीर्ति स्तंभ पर महा आरती का कार्यक्रम रखा गया है जिसमे समिति सदस्य, महिला महासमिति की सभी इकाई सदस्याए एवम सकल जैन समाज के अनुयायी हाथो में दीपक लेकर एक साथ महा आरती में भाग लेंगे ।

अधिकारों की लड़ाई के चलते रिश्तों में लग रहा दीमक

विराधनाओं से बचाएं जीवन-समकितमुनिजी

अधिकार तो याद रहते लेकिन अपने कर्तव्य भूल जाते है। शांतिभवन में प्रवचन माला जुग-जुग जियो का समापन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया।

भीलवाड़ा। हमे अपने कर्तव्य याद नहीं रहते लेकिन अधिकार कभी नहीं भूलते है। अधिकारों की लड़ाई के चलते ही रिश्तों में दीमक लगना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रेम व मोहब्बत का वातावरण कैसे बन पाएगा। रिश्ते ही नहीं बचेगे तो संपति व पैसे का क्या करेंगे। जिसका जो अधिकार है वह उसे मिलना चाहिए लेकिन दूसरों के अधिकारों को छीनने का प्रयास नहीं करना चाहिए और अपने कर्तव्य हमेशा याद रख स्वयं को विराधनाओं से बचाने का प्रयास करना चाहिए। ये विचार आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में शुक्रवार को प्रवचनमाला जुग-जुग जियो के समापन अवसर पर व्यक्त किए। इस प्रवचन माला के माध्यम से बताया गया कि किस तरह आशीर्वाद व दुआएं प्राप्त करके जीवन को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। मुनिश्री ने कहा कि किसी की जिंदगी ही समाप्त कर देना बहुत बड़ी विराधना है। हमे सभी दस तरह की विराधनाओं से बचना होगा। विवेकपूर्ण आगे बढ़ने पर दुनिया के तमाम प्राणियों से पॉजीटिव एनर्जी ग्रहण कर सकते है। व्यवस्थाओं को विवेकपूर्ण ऐसी बनाए कि घर में कम से कम विराधना हो। उन्होंने कहा कि घर में जो जीव जगत है उनसे भी पॉजीटिव एनर्जी पाने के तरीके निकालने होंगे। स्वयं भी विराधना से बचे और दूसरों को भी इससे बचने के लिए प्रेरणा प्रदान करें। जीवन ऐसा जीए कि विराधना कम से कम हो अनंत-अनंत जीवों की दुआ हम मिलेगी और वरदान भी प्राप्त होंगे। समकितमुनिजी ने कहा कि आपके कारण कोई हिंसा हो रही है तो वह भविष्य में कष्टदायी होगी। किसी भी कार्य के लिए ये कहकर दायित्वमुक्त नहीं हो सकते है कि मैं तो नहीं करना चाहता लेकिन बच्चें नहीं मानते है। ऐसा करके आप जिम्मेदारी मुक्त हो सकते लेकिन पाप कर्मों के बंधन से मुक्त नहीं हो सकते। कोई भी चीज समय से पहले पकना खतरनाक होती है चाहे वह सब्जी, फल, अनाज हो या परिवार में उत्तरदायित्व ग्रहण करना हो। शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी ने प्रेरणादायी गीत की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। धर्मसभा में नासिक, चैन्नई, पैरम्बूर आदि स्थानों से आए श्रावकगण मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़, अमरसिंह डूंगरवाल व मनोहरलाल सूरिया ने किया। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

रात में जूठे बर्तन नहीं छोड़ने का दिलाया संकल्प

विराधनाओं के कारण होने वाले पाप कर्म की चर्चा करते हुए पूज्य समकितमुनिजी ने श्रावक-श्राविकाओं को संकल्प कराया कि अगले एक माह वह रात में जूठा बर्तन घर में नहीं छोड़ेगे। उन्होंने कहा कि एक माह सफलतापूर्वक ऐसा करने के बाद अवधि को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि रात में भोजन के जूठे बर्तन छोड़ने पर उनमें जीव उत्पन्न होते है जिससे विराधना होती है। रसोई का वातावरण स्वस्थ रहने पर शरीर भी स्वस्थ रहेगा।

जैन दिवाकर जयंति पर गुणानुवाद रविवार को होगा

पूज्य समकितमुनिजी म.सा. के गतिमान चातुर्मास का अंतिम प्रवचन 8 नवंबर को होगा। इससे पूर्व 6 नवंबर रविवार को धर्मसभा में जैन दिवाकर चौथमल जी म.सा. की जयंति भी मनाते हुए गुणानुवाद किया जाएगा। इसी दिन धर्मसभा में चातुर्मास के दौरान श्रेष्ठ सेवाएं देने वाले कार्यकताओं का श्रीसंघ की ओर से सम्मान किया जाएगा। चातुर्मास का समापन 8 नवंबर को वीर लोकाशाह जयंति पर होगा। श्रावक-श्राविकाएं जप-तप व भक्ति का नया इतिहास बनाने वाले इस चातुर्मास को लेकर मन के भाव भी 7 व 8 नवंबर की धर्मसभा में व्यक्त करेंगे। चातुर्मास समाप्ति के बाद 9 नवंबर को सुबह 8.15 बजे पूज्य समकितमुनिजी म.सा. शांतिभवन से वर्धमान कॉलोनी स्थित अंबेश भवन के लिए विहार करेंगे। मुनिश्री का 10 नवंबर को चन्द्रशेखर आजादनगर, 11 नवंबर को श्याम विहार एवं 12 व 13 नवंबर को यश सिद्ध स्वाध्याय भवन में प्रवास रहेगा।

आठ दिवसीय मंगलकारी कल्पद्रुम विधान का चतुर्थ दिन

ज्ञान की स्थिरता ही ध्यान है: आचार्य श्री सुनील सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

भट्टारक जी की नसिया में विराजे भगवान ऋषभदेव और यहीं आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज की अपने संघ सहित चातुर्मास में समवशरण सिंहासन पर विराजमान होकर श्रावकों को उपदेश देकर बहुत ही उज्जवल साधना कर रहे हैं है। प्रातः कल्पद्रुम विधानमंडल के आयोजन के तहत कुबेर इन्द्र राजीव जैन गाजियाबाद, एवं ओमप्रकाश काला विद्याधर नगर वालों ने, अंकित जैन तथा सौधर्म इंद्र शांति कुमार सौगाणी जापान वालों ने ने भगवान श्री जी को मस्तक पर लेकर पंडाल में विराजमान किया । भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ , उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया।पश्चात आचार्य श्री शशांक सागर गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे प्रतिष्ठाचार्य प. सनत कुमार जी ने मन्त्रोच्चारों के साथ कल्पद्रुम विधान की चतुर्थ दिन की पूजा का विधिवत शुभारंभ किया ।आचार्य भगवंत को अर्घ्य अर्पण करते हुए शांति कुमार- ममता सोगानी जापान वाले, नेमीचंद कसेरा टेन्ट व राजीव गाजियाबाद ने चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया कि मंगलाचरण सीमा गाजियाबाद ने किया व मंच संचालन इंदिरा बड़जात्या ने किया ।चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामन्त्री ओमप्रकाश काला ने बताया पूज्य आचार्य भगवंत की पावन निश्रा में, आठ दिवसीय विधान के चतुर्थ दिवस पर आचार्य भगवन्त के श्री मुख से पूजा उच्चरित हुई ।चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा व राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य भगवंत के चरण पखारे नीरज जैन चित्रकूट वाले परिवार ने। पूज्य आचार्य भगवंत को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। हृदय की गहराई से सिद्ध शिला की ऊंचाई से तीर्थंकर वर्धमान स्वामी का जयघोष करते हुए इंद्र राजेश गंगवाल ने धर्म सभा में प्रश्न किया, भगवन ध्यान कैसे हो सकता है बताने की कृपा करें... गुरुवर आचार्य भगवंत उपदिष्ट हुए सु ध्यान धर्म ध्यान तक ले जाते हैं । सुआचरण मंदिर तक ले जाते हैं , सु तप प्रभु वर्धमान तक ले जाते हैं। आप लोग

ध्यान कर पाते हैं या नहीं कर पाते हैं, आपसे ध्यान होता है या नहीं होता है, अक्सर लोग इस विषय में यह सोचते हैं ध्यान तो मुनि राजो को ही होता है। समझ लीजिए ज्ञान की स्थिरता का नाम ही ध्यान है। धन की बहुत शक्ति होती है धन चले जाने से ईष्ट वियोग का आर्त ध्यान हो जाता है ।पीड़ा होने पर भी चिंता हो जाए तो आर्तध्यान है। अगर अतिरिक्त कमाई किसी भी रूप में हो रही है तो उसे धर्म ध्यान में लगाओ ,स्कूल विद्यालय आदि में लगाओ, मंदिर जी आदि की व्यवस्था में सदुपयोग करो। तीर्थों का निर्माण हो पुनरुद्धार हो, जैन धर्म की जय जय कार हो ।श्रावक अगर विवेक पूर्वक धर्म को समझें तो उन्हें भी ध्यान हो सकता है । कु ध्यान वह है जहां विषय वासना हो ।यहां सब लोग श्रावक जन आए हैं, पूजा कर रहे हैं ,तो धर्म ध्यान तो हो ही रहा है। समवशरण की रचना करके समवशरण का ध्यान हो रहा है यहां धर्म ध्यान ही तो हो रहा है।

आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी का होगा आज मंगल प्रवेश

दिनांक 5 नवम्बर को आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी का भट्टारक जी की नशियां मे प्रातः 8.30 बजे भव्य जुलुस के साथ मंगल प्रवेश होगा । आज कल्पद्रुम विधान महामंडल के अंतर्गत प्रातः 6:30 जलाभिषेक पंचामृत अभिषेक और शांति धारा होगी तथा विधानमंडल में अब तक 15 पूजा संपन्न हो चुकी हैं आज तीन पूजाएं होंगी।

हटा मे विश्व शान्ति महायज्ञ एवं राम कथा आयोजन मे उमड़ा जनसमुदाय

युद्ध नहीं होते जहाँ, पड़ा अयोध्या नाम : आचार्य विभवसागर जी

राजेश रागी. शाबाश इंडिया

टीकमगढ। श्री चंद्राप्रभू दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र हटा जी परिसर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शान्ति महायज्ञ का नौ दिवसीय आयोजन 01 नबम्बर से चल रहा है,जिसका समापन 09 नवम्बर को विश्वशांति महायज्ञ के साथ होगा।इस अवसर पर आचार्य श्री विभव सागर जी महाराज द्वारा श्रीराम कथा सत्संग भी चल रही हैं। इस अवसर पर आज आचार्य श्री ने अयोध्या भक्ति प्रसंग पर बताया कि ''युद्ध नहीं होते जहाँ, पड़ा अयोध्या नाम'' जहाँ पर किसी भी प्रकार के युद्ध नहीं होते हैं, जो नगरी युद्ध के योग्य नहीं है अथवा जो भूमि (नगरी) किसी भी योद्धा के द्वारा जीती नहीं जा सकती, ऐसी अयोध्या नगरी हैं। आचार्य श्री ने कहा कि इस भूमि को अन्य दूसरे नामों में साकेत और अवधपुरी के नाम से भी जाना जाता है। अवध शब्द का अर्थ है जो वध से रहित हो, जिस स्थान पर किसी भी जीव का वध नहीं किया जाता हो, वह नगरी है 'अवधपुरी'। जहाँ पर होते वध नहीं, अवधपुरी वह धाम ।भारतीय संस्कृति की धारा दो संस्कृति से मिलकर बहती है, एक श्रमण संस्कृति, दूसरी वैदिक संस्कृति। श्रमण संस्कृति में श्रमण धर्म के प्रवर्तक चौबीस तीर्थंकर हुए जो क्षत्रिय कुल में पैदा हुए। सबसे बड़ी विशेष बात है कि जितने भी तीर्थंकर पैदा होते हैं, उन सब प्रत्येक तीर्थंकर का जन्म कल्याणक अयोध्या नगरी में ही मनाया जाता है। इसके साथ ही अयोध्या नगरी में अन्य तीर्थकरों के भी कल्याणक मनाये गये। इस नगरी को मात्र श्रीराम की जन्मभूमि ही नहीं अपितु यह कह सकते हैं कि यह नगरी भगवन्तों की 'पुण्य प्रसूता' जन्म नगरी है।

आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ के सानिध्य में भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का आयोजन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

मालवीय नगर के सैक्टर 3 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ के सानिध्य में श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के मुख्य संयोजक मनीष चौधरी के निर्देशन में ऋद्धि मंत्रों से युक्त संगीतमय भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पुण्यार्जक अजय -निधि बड़जात्या थे। इस मौके पर शुभकामना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय कुमार कोठ्यारी, राजस्थान जैन सभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जनकपुरी जैन मंदिर के अध्यक्ष पदम चन्द बिलाला, मधुबन जैन मंदिर के अध्यक्ष सन्तोष अनोपडा,नटाटा दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार साह आबूजीवाले,न्यू लाईट कालोनी जैन मंदिर के सूर्य प्रकाश छाबड़ा, कांग्रेस युवा नेता अक्षय मोदी, संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, राजस्थान जैन युवा महासभा की प्रदेश संयुक्त महामंत्री रेखा पाटनी, मालवीय नगर महिला मण्डल की अध्यक्ष प्रीति बाकलीवाल, जेएसजी वीनस के सचिव मनीष लुहाड़िया व गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। मंच संचालन विनोद जैन कोटखावदा ने किया।

आर्यिका श्री भरतेश्वरमती माताजी के चतुर्मास का हुआ निष्ठापन

मुख्य पुण्यार्जक सौगानी परिवार पहाड़ी वालों के घर हुई कलश की स्थापना

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। परम पूज्य गाणिनी आर्यिका 105 गुरुमां भरतेश्वरमती माताजी ससंघ का मंगलमय वर्षायोग 2022 का मुख्य मंगल कलश स्थापना का परम सौभाग्य समाज श्रेष्ठि दानवीर हर्ष चंद, ''जैन रत्न'' मनोज सोगानी, सम्यक सोगानी एवम् समस्त सोगानी परिवार पहाड़ी वाले को प्राप्त हुआ था। वर्षायोग की स्थापना 4 माह पूर्व भव्यता के साथ संपन्न हुई थी। प्रातः 11 बजे गुरू मां का सैकडो समाज बंधुओ एवं समाज श्रेष्ठियो के साथ वंदनम 195-196 श्रीजी नगर पर प्रवेश हुवा। पूज्य गुरुमा के मंगल प्रवेश के साथ सोगानी परिवार वर्षायोग मंगल कलश को भव्य जुलुस मे अपने निवास पर स्थापित किया। इससे पूर्व पुष्प वर्षा कर गुरुमा ससंघ की आगवानी की,तत्पश्चात निवास स्थान पर पूज्य गुरुमां के पंचामृत से प्राद प्रक्षालन किए तत्पश्चात पूज्य गुरुमा के कर कमलों से सोगानी परिवार के मुख्य मंगल कलश की विधिवत पूजा अर्चना के साथ स्थापना हुई। पधारे सभी श्रावको का सोगानी परिवार द्वारा स्वागत किया गया ।ज्ञात हो की देवाधिदेव 1008 श्री चंद्रप्रभु भगवान के आशीर्वाद से सोगानी परिवार द्वारा हर वर्ष किसी ना किसी मुनि,आर्यिका के वर्षायोग के मंगल कलश की स्थापना करने का भाव रहता है। पूर्व में भी सोगानी परिवार द्वारा बालाचार्य 108 श्री सिद्धसेन सागर जी (वरुणपथ,दुर्गापुरा) मुनि 108 श्री प्रज्ञासागर जी महाराज(चाकसू),उपाध्याय 108 श्री उर्ज्यंत सागर जी महाराज (दुर्गापुरा) आचार्य 108 श्री शशांक सागर जी महाराज (दुर्गापुरा) और वर्तमान में दुर्गापुरा जैन मंदिर में विराजमान गणिनी आर्यिका 105 भरतेश्वर मती माताजी का वर्षायोग का मुख्य मंगल कलश स्थापना कर सौभाग्य प्राप्त कर चुके हैं।

सहकारिता मंत्री ने राजसमंद में ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

जयपुर. कासं। सहकारिता मंत्री एवं राजसमंद जिला प्रभारी मंत्री उदयलाल आंजना की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से फ्लैगशिप योजनाओं के बारे में प्रगति रिपोर्ट ली और बाकी कार्यों के लिए जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए। सहकारिता मंत्री आंजना ने शुद्ध के लिए युद्ध, चिरंजीवी योजना, निशुल्क दवा योजना के बारे में जानकारी दी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com